बुधवार
29 अप्रैल 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 95
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

हाथी के हमले में दो लोगों की मौत

हमारे संवाददाता

नैनीताल। उत्तराखंड मानव व वन्य जीव संघर्ष थमने का नाम नही ले रहा है। ताजा घटनाक्रम नैनीताल जिले के लालकुआं क्षेत्र में सामने आया है। यहां लालकुआं कोतवाली के पीछे स्थित पहाड़ी खत्ता (पहाड़ी खट्टा) में टांडा रेंज के जंगल से निकले एक जंगली हाथी ने दो स्थानीय लोगों पर हमला कर दिया। जिसमें वह बुरी तरह घायल हो गये और उन्होने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलने पर पुलिस व वन विभाग की टीमें मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है। वहीं इस घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है।

जानकारी के अनुसार, आज सुबह एक हाथी जंगल से निकलकर बस्ती की ओर आया और अचानक दो व्यक्तियों पर आक्रमण कर बैठा। हमले की तीव्रता इतनी अधिक थी कि दोनों व्यक्ति बच नहीं सके। पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। वन अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में हाथियों के झुंड अक्सर जंगल की सीमा लांघकर बस्तियों और खेतों में घुस आते हैं, जिससे फसल क्षति के साथ-साथ मानव जान की हानि भी होती रहती है।

बताया जा रहा है कि लालकुआं, हल्द्वानी और हल्दूचौड़ क्षेत्र में पिछले कई वर्षों से जंगली हाथियों का आतंक लगातार बढ़ रहा है। हाथी न केवल फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं बल्कि रिहायशी इलाकों, हाईवे और यहां तक कि कॉलोनियों में भी घुस आते हैं।

हल्द्वानी-लालकुआं राष्ट्रीय राजमार्ग पर अक्सर हाथियों के झुंड दिखाई देते हैं, जिससे यातायात प्रभावित होता है और स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार हाथी रात भर बस्तियों में डटे रहते हैं और सुबह बाउंड्री वॉल तोड़कर जंगल लौटते हैं।

वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार, जंगलों का सिकुड़ना, आवास क्षेत्र में मानवीय गतिविधियों का बढ़ना और खाद्य स्रोतों की कमी के कारण हाथी बस्तियों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। यह मानव-वन्यजीव संघर्ष की एक बड़ी मिसाल है, जो उत्तराखंड के तराई क्षेत्र में गंभीर समस्या बन चुकी है।

इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने वन विभाग से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। मांगों में शामिल हैं प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा, हाथियों को रोकने के लिए सोलर फेंसिंग, ट्रेंच और अन्य बाधाओं का निर्माण, तथा जागरूकता कार्यक्रम। वन विभाग के अधिकारी मौके पर जांच कर रहे हैं और हाथी के झुंड की गतिविधियों पर नजर रखे हुए हैं। उन्होंने आश्वासन दिया है कि मृतकों के परिजनों को शीघ्र मुआवजा प्रदान किया जाएगा। साथ ही, क्षेत्र में पेट्रोलिंग बढ़ाई जाएगी।

कार के ई-रिक्शा से टकराने से दो सगी बहनों की मौत

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। सितारगंज क्षेत्र में तेज रफ्तार के कहर ने एक हँसते-खेलते परिवार की खुशियों को उम्र भर के गम में बदल दिया है। किच्छा हाईवे पर एक अनियंत्रित कार ने सड़क किनारे खड़े ई-रिक्शा को भीषण टक्कर मार दी, जिससे दो सगी

❑जिस घर से बारात जानी थी वहां से उठे दो जनाजे

बहनों की मौत हो गयी। जबकि पांच लोग गम्भीर रूप से घायल हुए है। बताया जा रहा है कि आज जिस घर से आज भाई की बारात प्रस्थान करनी थी, वहाँ अब जनाजे उठाये जा रहे है।

जानकारी के अनुसार, सितारगंज के नया गांव निवासी 22 वर्षीय हिना पुत्री रईस अहमद और उनकी बड़ी बहन 25 वर्षीय निशा पत्नी तौफीक अहमद, अपनी ममेरी बहन रूबी के साथ बीते रोज भाई के निकाह की खरीदारी करने सितारगंज बाजार गई थीं। शॉपिंग के उपरांत तीनों बहनें ई-रिक्शा से वापस घर लौट रही थीं। नया गांव के समीप हाईवे किनारे जब वे रिक्शा से उतरकर चालक को किराया दे रही थीं, तभी सितारगंज की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने ओवरटेक करने के प्रयास में नियंत्रण खो दिया और ई-रिक्शा सहित खड़ी बहनों को जोरदार टक्कर मार दी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी भयानक थी कि ई-रिक्शा के परखच्चे उड़ गए और वहां खड़ी बहनें कई फीट दूर जाकर गिरीं। दुर्घटना में तीनों बहनों सहित कुल सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय नागरिकों ने सभी को तत्काल चिकित्सालय पहुँचाया। उप जिला चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें हायर सेंटर भेज दिया गया। बताया जा रहा है कि उपचार के दौरान हिना ने दम तोड़ दिया, जबकि निशा की मृत्यु रुद्रपुर के एक निजी चिकित्सालय में हुई। ममेरी बहन रूबी का उपचार अभी भी जारी है।

इस दुर्घटना ने परिवार पर दुखों का पहाड़ तोड़ दिया है। घर में भाई के निकाह की तैयारियां चरम पर थीं और आज बारात जानी तय थी, किंतु बहनों की मृत्यु के समाचार ने खुशियों को चीख-पुकार में बदल दिया। माता-पिता बेसुध हैं और गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। दुर्घटना में घायल अन्य चार यात्रियो रामकुमार गुप्ता, राजेश्वरी गुप्ता, डालचंद कश्यप और प्रेमपाल गंगवार का भी निजी चिकित्सालयों में उपचार चल रहा है। प्रशासन और पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए दोनों वाहनों को अपने अधिकार में ले लिया है। शवों का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दून वैली मेल

संपादकीय

वोटर की नाराजगी किस पर भारी

वर्तमान समय में चल रहे पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में सबसे अधिक चर्चा बंपर मतदान को लेकर हो रही है। इन चुनावों के लिए जो कार्यक्रम तय किया गया था उसमें असम, केरल और पांडुचेरी के चुनाव एक ही चरण में संपन्न हो चुके हैं जबकि तमिलनाडु का चुनाव दो चरणों में होने के साथ 23 अप्रैल को पूरा हो चुका है। पश्चिम बंगाल का चुनाव जो दो चरणों में है उसका अब अंतिम चरण का मतदान आज 29 अप्रैल को हो रहा है। इन सभी चुनावों में अब तक मतदान का प्रतिशत सामान्य से अधिक रहा है। खास बात यह है कि पश्चिम बंगाल के चुनाव के पहले चरण में वॉटर की जो सुनामी देखी गई उसने सारे रिकॉर्ड तोड़कर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है यहां पहले चरण में हुए 94 फीसदी मतदान ने सियासी दलों के नेताओं की नींदें उड़ा दी है। इन सभी राज्यों में पश्चिम बंगाल का चुनाव इसलिए सबसे खास चुनाव बना हुआ है क्योंकि केंद्रीय सत्ता पर आसीन भाजपा पिछले दो विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी और उनकी टीएमसी की सरकार को उखाड़ फेंकने की तमाम कोशिशों में नाकाम रही है। ममता बनर्जी जो 15 साल से पश्चिम बंगाल की सत्ता पर कब्जा किए हुए हैं भाजपा के लिए सबसे बड़ी राजनीतिक चुनौती बनी हुई है। भाजपा इस बार ममता को हर हाल में सत्ता से बाहर करना चाहती है अपने इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए ही उसने संसद का विशेष सत्र बुलाया था लेकिन वह अपने मनसूबे में सफल नहीं हो सकी। पश्चिम बंगाल के चुनाव में केंद्रीय सुरक्षा बलों की 24 कंपनियों की तैनाती से लेकर एसआईआर में 90 लाख मतदाताओं के नाम काटे जाने तथा तमाम बड़े अधिकारियों को बदलने तक वह सब कुछ किया गया है जो भी वह कर सकती थी। लेकिन इन तमाम कामों से आम आदमी को जिस तरह की समस्याओं से दो-चार होना पड़ा है तथा लाखों लोगों के सामने अपने संवैधानिक अधिकार चुने जाने का जो संभावित खतरा पैदा हो गया है उससे वह अत्यंत ही भयभीत है। यही कारण है कि वह अब सत्ता में बैठे लोगों को अपने वोट की ताकत से अपनी ताकत का एहसास कराने पर आमादा है। पहले चरण में इन मतदाताओं का इतनी बड़ी संख्या में वोट डालने के लिए निकलना भाजपा के लिए बड़ी खतरे की घंटी है इस चरण में कुछ पोलिंग बूथ तो ऐसे भी है जहां 98-99 फीसदी तक मतदान हुआ है। लोग वोट डालने के लिए सुबह 7 बजे से लेकर शाम 7 बजे तक लाइनों में खड़े दिखाई दिए। 29 अप्रैल को अंतिम चरण में भी यहां इतना ही अधिक मतदान रहने की उम्मीद है जिसका कारण अब पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के वह डराने धमकाने वाले भाषण भी बन सकते हैं जिसमें वह टीएमसी कार्यकर्ताओं को गुंडे बताने से लेकर उन्हें उल्टा लटका कर सीधा कर देने की बात खुले मंचों से करते रहे हैं तथा सीएम ममता बनर्जी को भी अपने उसी लहजे में दीदी ओ दीदी तथा बंगाल के पुलिसकर्मियों को अबे और ओबे जैसे शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं भाजपा नेताओं की यह खीज अब उन पर ही भारी पड़ सकती है। चुनावी रिजल्ट पर जो भी सर्व आ रहे हैं उसमें टीएमसी की जीत के संकेत मिल रहे हैं लेकिन इसके साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि भाजपा यहां हरियाणा व महाराष्ट्र तथा बिहार की तरह कोई बड़ा खेला भी कर सकती है।

पहाड़ की राजनीति में 'नई करवट'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड का आगामी विधानसभा चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का सवाल नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विकल्पों की परीक्षा भी है। उत्तराखंड की चुनावी राजनीति इस बार एक दिलचस्प मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है। विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आते हैं, मतदाता के सामने सबसे बड़ा सवाल यही हैकृक्या पारंपरिक दलों के बीच ही चुनाव सीमित रहेगा या कोई ठोस विकल्प उभरकर सामने आएगा?

राज्य में लंबे समय से सत्ता का केंद्र दो प्रमुख दलों भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के इर्द-गिर्द घूमता रहा है। हर चुनाव में सत्ता का झुकाव इन दोनों के बीच बदलता रहा है, लेकिन इस बार मतदाता के मन में तीसरे विकल्प को लेकर उत्सुकता और असंतोष दोनों दिखाई दे रहे हैं। बेरोजगारी, महंगाई, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी और लगातार पलायन जैसे मुद्दों ने जनता को सोचने पर मजबूर किया है। खासकर युवाओं और शहरी मतदाताओं के बीच यह सवाल उठ रहा है कि क्या बार-बार एक ही राजनीतिक विकल्पों के बीच चुनाव करना ही लोकतंत्र की मजबूरी है, या कोई नया रास्ता भी संभव है।इस चुनाव में छोटे दल और नए राजनीतिक प्रयोग भी चर्चा में हैं। आम आदमी पार्टी जैसे दल शिक्षा और स्वास्थ्य के माडल के आधार पर खुद को विकल्प के रूप में पेश कर रहे हैं। वहीं क्षेत्रीय दल और निर्दलीय उम्मीदवार स्थानीय मुद्दों के सहारे अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश में हैं।हालांकि, सवाल यह भी है कि क्या यह विकल्प सिर्फ

❑उत्तराखंड विधानसभा चुनाव की आहट तेज
❑सत्ता और विपक्ष दोनों ने की रणनीतियां तेज
❑पहाड़ और मैदान तक राजनीतिक तापमान बढ़ा
❑चुनावी मैदान में 'विकल्प' की तलाश में मतदाता

चुनावी शोर तक सीमित रहेंगे या वास्तव में मतदाता के भरोसे पर खरे उतर पाएंगे। उत्तराखंड जैसे छोटे राज्य में संगठनात्मक मजबूती और जमीनी नेटवर्क किसी भी नए दल के लिए बड़ी चुनौती है।

इस बार चुनाव में यह बहस भी अहम हो सकती है कि मतदाता राष्ट्रीय मुद्दों को प्राथमिकता देगा या स्थानीय समस्याओं को। पारंपरिक दल जहां बड़े विजन और राष्ट्रीय नेतृत्व को सामने रख रहे हैं, वहीं विकल्प बनने की कोशिश कर रहे दल स्थानीय मुद्दोंकृजैसे गांवों का खाली होना, रोजगार के अवसर और शिक्षाकृको केंद्र में रख रहे हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विकल्प केवल दलों से नहीं, बल्कि मतदाता की सोच से भी तय होता है। अगर जनता बदलाव चाहती है, तो नए विकल्पों के लिए रास्ता खुल सकता है। लेकिन अगर भरोसा अनुभव और स्थिरता पर जाता है, तो पारंपरिक दलों की पकड़ बरकरार रह सकती है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उत्तराखंड में सत्ता परिवर्तन का इतिहास रहा है, लेकिन इस बार का चुनाव कई मायनों में अलग हो सकता है। यदि सत्तारूढ़ दल अपने विकास के एजेंडे को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाने में सफल रहता है, तो वह इस परंपरा को तोड़ सकता है। वहीं विपक्ष अगर जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाता है, तो मुकाबला कड़ा होने की पूरी संभावना है।

उत्तराखंड में चुनावी मुद्दे हमेशा स्थानीय रहे हैं। इस बार भी बेरोजगारी, पलायन, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा और सड़क-जल जैसी बुनियादी सुविधाएं प्रमुख मुद्दों में शामिल हैं। खासकर पहाड़ी जिलों में बढ़ते पलायन को लेकर जनता में गहरी नाराजगी है।हालांकि राज्य की राजनीति में मुख्य मुकाबला राष्ट्रीय दलों के बीच रहता है, लेकिन क्षेत्रीय दल भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की कोशिश में हैं। यह दल स्थानीय मुद्दों को उठाकर वोट बैंक में सेंध लगाने की रणनीति पर काम कर रहे हैं।

कुल मिलाकर, उत्तराखंड का प्रस्तावित विधानसभा चुनाव सिर्फ सत्ता की लड़ाई नहीं, बल्कि राज्य के भविष्य की दिशा तय करने वाला अहम मोड़ साबित हो सकता है। जनता के सामने विकल्प हैं, और निर्णय भी उसी के हाथ में हैकृकि वह विकास की कहानी पर भरोसा करती है या बदलाव की मांग को प्राथमिकता देती है।

मुख्य सचिव ने कुम्भ मेला- 2027 की तैयारियों को लेकर बैठक ली

हमारे प्रतिनिधि

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने बुधवार को सचिवालय में कुम्भ मेला - 2027 की तैयारियों के सम्बन्ध में सम्बन्धित विभागों एवं अधिकारियों के साथ बैठक ली। सर्वप्रथम मुख्य सचिव ने कुम्भ मेले से संबंधित निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने विभिन्न निर्माण कार्यों के शासनादेश जारी ना होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए आपत्तियों का निराकरण कर अगले 3 दिनों में शासनादेश जारी किए जाने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि कुंभ मेले के लिए भूमि अधिग्रहण और भूमि आबंटन की प्रक्रिया तत्काल शुरू कर ली जाए। उन्होंने कहा कि विभागों और संस्थानों को आबंटित होने वाली भूमि को 30 जून तक आबंटित कर दिया जाए। उन्होंने आयुक्त गढ़वाल को भूमि अधिग्रहण एवं आवंटन प्रक्रिया कुम्भ मास्टर प्लान में शामिल किए जाने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि निर्माणदायी संस्थाओं द्वारा मेला क्षेत्र के अंतर्गत अपने कार्यालयों को मजबूत किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी आवश्यक तैनातियां शीघ्र से शीघ्र सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने अनिवार्य रूप से कराये जाने वाले अस्थायी प्रकृति के कार्यों को भी प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र से शीघ्र शुरू किए जाने की बात कही।

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

उत्तराखंड में 'परियों के देश' की 'रहस्यमयी वादियां'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड सिर्फ एक राज्य नहीं, बल्कि एक अनुभव हैकृएक ऐसी दुनिया, जहां प्रकृति और लोककथाएं मिलकर जादू रचती हैं। आप मानो या ना मानो लेकिन इस पहाड़ी राज्य की वादियों में एक और दुनिया बसती है। यह कोई कल्पना मात्र नहीं, बल्कि लोककथाओं, मान्यताओं और प्रकृति की अद्भुत छटा से जन्मी एक ऐसी अनुभूति है, जिसे यहां आने वाला हर व्यक्ति कहीं न कहीं महसूस करता है।

गढ़वाल और कुमाऊं के कई दूरस्थ गांवों में आज भी यह विश्वास जीवित है कि घने जंगलों, बुग्यालों और निर्जन घाटियों में परियों का वास होता है। खासकर रात के समय या पूर्णिमा की चांदनी में, जब बर्फ से ढकी चोटियां चमक उठती हैं और हवा में एक अनोखी खामोशी फैल जाती है, तो स्थानीय लोग इन परियों की उपस्थिति का जिक्र करते हैं। चमोली, पिथौरागढ़ और बागेश्वर जैसे क्षेत्रों के ऊंचे बुग्यालकृजहां दूर-दूर तक केवल हरी घास और आसमान का विस्तार दिखता हैकृअक्सर परियों के खेलने की जगह कहे जाते हैं। ग्रामीणों की मानें तो इन जगहों पर अचानक मौसम बदल जाना, अजीब सी रोशनी दिखना या किसी

❑उत्तराखंड में प्रकृति और लोककथाएं मिलकर रचती हैं जादू
❑गढ़वाल-कुमाऊं के कई गांवों में आज भी जीवित है विश्वास
❑घने जंगलों, बुग्यालों और निर्जन घाटियों में है परियों का वास

अनजानी ध्वनि का सुनाई देना, परियों के संकेत माने जाते हैं।

लोककथाओं में परियों को सुंदर, सफेद वस्त्रों में लिपटी, बेहद कोमल और रहस्यमयी बताया गया है। कहा जाता है कि वह इंसानों से दूर रहना पसंद करती हैं, लेकिन कभी-कभी किसी भटके हुए यात्री की मदद भी कर देती हैं। कई बुजुर्ग आज भी ऐसे किस्से सुनाते हैं, जब उन्होंने या उनके पूर्वजों ने अलौकिक अनुभव महसूस किए।

हिमालय की गोद में बसे उत्तराखंड के छोटे-छोटे गांव किसी स्वर्ग से कम नहीं। औली की बर्फीली ढलानें, फूलों की घाटी की रंग-बिरंगी चादर और नैनीताल की शांत झीलें हर किसी को मंत्रमुग्ध कर देती हैं। यहां का हर दृश्य एक जीवित चित्र की तरह लगता है। उत्तराखंड की संस्कृति और लोककथाओं में भी परियों का जिक्र खूब मिलता है। पहाड़ों के बुजुर्ग आज भी उन कहानियों को सुनाते हैं, जिनमें परियां रात के सन्नाटे में नृत्य करती थीं और इंसानों से दूर, अपने रहस्यमयी संसार में रहती थीं। कई गांवों में आज भी ऐसी जगहों को परियों का डांडा या परियों का थान कहा जाता है। परियों का देश कहे जाने वाले इस राज्य में हर साल लाखों पर्यटक आते हैं। लेकिन बढ़ता पर्यटन पर्यावरण के लिए चुनौती भी बन रहा है। इस जादुई सुंदरता को बचाए रखने के लिए जिम्मेदार पर्यटन बेहद जरूरी है।

हालांकि आधुनिक विज्ञान इन बातों को अंधविश्वास या प्राकृतिक घटनाओं की व्याख्या मानता है, लेकिन यह भी सच है कि उत्तराखंड की प्रकृति में कुछ ऐसा जादू है, जो इन कहानियों को जीवंत बना देता है। ऊंचे-ऊंचे देवदार के जंगल, बहती नदियों की मधुर ध्वनि और बादलों का धरती पर उतर आना यह सब मिलकर एक ऐसा माहौल बनाते हैं, जो किसी भी कल्पनालोक से कम नहीं।

जिला योजना 2026-27 पर मंथन, 15 प्रतिशत बजट से बढ़ेगा स्वरोजगार

पौड़ी(आरएनएस)। विकास भवन सभागार में प्रभारी मंत्री मदन कौशिक की अध्यक्षता में जिला योजना 2026-27 के परिव्यय की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। इस दौरान उन्होंने पौड़ी प्रगति पोर्टल का शुभारंभ किया। मंत्री ने निर्देश दिए कि जिला योजना के कुल बजट का 15 प्रतिशत स्वरोजगार आधारित विभागों को दिया जाए ताकि स्थानीय स्तर पर रोजगार बढ़ सके। साथ ही, योजनाएं बनाते समय जनप्रतिनिधियों से समन्वय और लंबित योजनाओं को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। बैठक में प्रस्तावित 11,997.70 लाख रुपये के परिव्यय पर चर्चा हुई। मंत्री ने नए कार्य शुरू करने से पहले भूमि विवाद सुलझाने के निर्देश दिए। पुस्तकालय के लिए नई पुस्तकों के प्रस्ताव शीघ्र भेजने को भी कहा। जिलाधिकारी स्वाति एस.भदौरिया ने योजनाओं को प्रस्तुत किया। प्रमुख परियोजनाओं में राजकीय जिला पुस्तकालय, राहु मंदिर, प्रेरणा कोचिंग, धारी देवी मंदिर में वॉल वॉशर लाइटिंग, विज्ञान संग्रहालय, पालकोट ईको एडवेंचर पार्क, कंडोलिया इंडोर स्टेडियम, प्रोजेक्ट बचपन, बर्ड फेस्टिवल, नयार घाटी फेस्टिवल और मोहन चट्टी आयुर्वेदिक चिकित्सालय शामिल हैं। बैठक में विधायक राजकुमार पोरी, महंत दिलीप रावत, जिला पंचायत अध्यक्ष रचना बुटोला, उपाध्यक्ष आरती नेगी, पालिका अध्यक्ष हिमानी नेगी, ब्लॉक प्रमुख अस्मिता नेगी, सीडीओ गिरीश गुणवंत, पीडी डीआरडीए विवेक कुमार उपाध्याय और डीडीओ मनविंदर कौर समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

एसटीपी प्लाटों से समय-समय पर सैंपल लेकर करें जांच

चमोली(आरएनएस)। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने गंगा संरक्षण समिति की बैठक में गंगा व सहायक नदियों की स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने नमामि गंगे के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों के साथ मिलकर समय-समय पर एसटीपी प्लांटों से सैंपल लिए जाएं और देखा जाए कि वह मानकों के अनुरूप संचालित हो रहे हैं या नहीं। सीडीओ ने नगर पालिका व नगर पंचायतों व संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि एसटीपी प्लांटों का संचालन सुचारु रखने व रखरखाव के लिए नियमित कार्य किए जाएं। एसटीपी की समय-समय पर जांच करें जिससे नदी में गंदा पानी न जाए। उन्होंने निकाय क्षेत्रों में डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन, कूड़ा फैलाने वाले व्यावसायिक संस्थानों पर चालान कर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। नगर पालिका व नगर पंचायतों को मासिक कलेक्शन व प्रति रिपोर्ट प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। नमामि गंगे के जिला परियोजना अधिकारी गोविंद बुटोला ने जिला गंगा संरक्षण समिति की होने वाली कार्रवाई के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

चार दिन से जलापूर्ति ठप, हैंडपंप भी सूखे

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। एक तरफ चिलचिलाती गर्मी दूसरी तरफ पेयजल की समस्या लोगों पर दोहरी आफत बन रही है। नगर पंचायत अगस्त्यमुनि के सिल्ली सेरा वार्ड में पेयजल संकट गहरा गया है। यहां नगर पंचायत कार्यालय के सामने वाले क्षेत्र में चार दिनों से पानी की आपूर्ति बंद है जिससे लोगों को भीषण गर्मी में स्रोतों से पानी भरना पड़ रहा है। मगर स्थिति यह है कि स्रोतों पर पानी घट गया है और हैंडपंप सूख चुके हैं जिससे मुश्किलें और बढ़ गई हैं। स्थानीय पवित्रा देवी जमलोकी ने बताया कि पानी की कमी के कारण वृद्धावस्था में भी उन्हें दूर-दूर तक पानी भरने जाना पड़ रहा है। वहीं स्कूल से लौटने वाले बच्चे भी नजदीकी हैंडपंपों पर पानी न मिलने से निराश होकर लौट रहे हैं। क्षेत्रवासियों ने जल संस्थान से जल्द जलापूर्ति बहाल करने की मांग की। इधर जल संस्थान के अपर सहायक अभियंता सोनू बिष्ट ने बताया कि फिटर को मौके पर भेजकर लाइन की जांच के निर्देश दिए गए हैं। शीघ्र समस्या दूर कर दी जाएगी।

गोमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के लिए चला हस्ताक्षर अभियान

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। गो माता को राष्ट्रमाता का गौरवपूर्ण दर्जा दिलाने के संकल्प के साथ गोसेवा संवर्धन समिति श्रीनगर ने तहसील परिसर में गोसम्मान आह्वान अभियान का आयोजन किया। इस अभियान के माध्यम से क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों, व्यापारियों और भक्तों ने गोमाता के सम्मान में अपनी आवाज बुलंद की। अभियान के दौरान व्यापारी बंधुओं, पुलिस प्रशासन और जागरूक नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। लोगों ने हस्ताक्षर कर अपना लिखित समर्थन दिया। जन-समर्थन से तैयार इस हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन को श्रीनगर तहसील प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री को भेजा गया। साथ ही इसकी प्रतियां जिलाधिकारी पौड़ी और एसडीएम व तहसीलदार को भी सौंपी गईं। समिति के सदस्यों ने संकल्प लिया कि जब तक गोमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा प्राप्त नहीं हो जाता तब तक यह जनजागरण अभियान निष्ठापूर्वक और पूर्ण समर्पण के साथ जारी रहेगा। इस अवसर पर मुख्य रूप से अनुज जोशी, सपना जोशी, शीतल, रचना भंडारी, आनंद भंडारी, संजय घिल्डियाल, दिनेश असवाल और दुर्गेश नौटियाल आदि मौजूद रहे।

जनता दरबार में समस्याओं का त्वरित निस्तारण, अधिकारियों को सख्त निर्देश

बागेश्वर(आरएनएस)। जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे की अध्यक्षता में सोमवार को जिला सभागार में आयोजित जनता दरबार में जनसमस्याओं के समाधान को लेकर प्रशासन की सक्रियता स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे शिकायतकर्ताओं ने अपनी समस्याएं सीधे जिलाधिकारी के समक्ष रखीं, जिनमें मुख्यत: सड़क, पेयजल और विद्युत व्यवस्था से जुड़ी शिकायतें शामिल रहीं। जनता दरबार के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण करते हुए प्रशासनिक तत्परता का परिचय दिया, जबकि शेष मामलों के शीघ्र समाधान हेतु संबंधित विभागों के अधिकारियों को स्पष्ट और समयबद्ध निर्देश जारी किए। खुनौली क्षेत्र में पेयजल समस्या के समाधान के लिए जल संस्थान को निर्देशित किया गया, वहीं डोला में सीसी खड़ंजा निर्माण के लिए जिला पंचायत को जिम्मेदारी सौंपी गई। मंडलसेरा में आधार केंद्र की स्थापना को लेकर ईडीएम को सर्वे कराने के निर्देश दिए गए, जबकि बनलेख गड़ेत सड़क के एलाइनमेंट को अंतिम रूप देने हेतु पीएमजीएसवाई को कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में जिलाधिकारी ने कांडा पंपिंग योजना के अंतर्गत सभी गांवों में निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अधिशासी अभियंता जल निगम को टेस्टिंग कार्य तेज करने और अधिकाधिक गांवों को जोड़ने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री घोषणाओं, सीएम हेल्पलाइन एवं जनपद स्तरीय 'हैलो बागेश्वर' हेल्पलाइन पर लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने और शिकायतकर्ताओं से शत-प्रतिशत संवाद स्थापित करने के निर्देश दिए।

जिला योजना के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की प्रगति पर भी जिलाधिकारी ने गंभीरता दिखाई और सभी निर्माणदायी संस्थाओं को 30 अप्रैल तक टेंडर प्रक्रिया पूर्ण करने का अल्टीमेटम दिया। इसके अतिरिक्त अनटाइड फंड एवं आपदा मद से स्वीकृत कार्यों को मई माह के अंत तक हर हाल में पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए।

प्रशासनिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी ने सभी विभागों को ई-ऑफिस प्रणाली का अनिवार्य रूप से उपयोग करने के निर्देश देते हुए चेतावनी दी कि लापरवाही बरतने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी आर.सी. तिवारी, अपर जिलाधिकारी एन.एस. नबियाल सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

किमतोली में होगा गुमदेश उप तहसील का मुख्यालय

चम्पावत(आरएनएस)। पुल्ला गुमदेश उप तहसील का मुख्यालय किमतोली में होगा। इस संबंध में शासन ने अधिसूचना जारी की है। पूर्व में यहां गुरेली में उप तहसील स्थापित की जानी थी।

उत्तराखंड शासन के राजस्व अनुभाग एक ने जनपद चम्पावत की उप तहसील पुल्ला गुमदेश के मुख्यालय परिवर्तन के संबंध में अधिसूचना जारी की है। नए आदेश के तहत अब उप तहसील पुल्ला गुमदेश का मुख्यालय किमतोली में होगा। इससे पहले मुख्यालय गुरेली में तय किया गया था।

यह निर्णय प्रशासनिक सुगमता और क्षेत्रीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। बता दे कि पुल्ला गुमदेश उप तहसील की स्थापना 31 जनवरी 2015 को छीड़ाखाल को मुख्यालय बनाकर किया गया था। जिसके पश्चात संशोधन कर मुख्यालय गुरेली स्थानांतरित किया गया। वर्तमान अधिसूचना के माध्यम से अब किमतोली को नया प्रशासनिक मुख्यालय घोषित किया गया है।

यात्रा मार्ग पर नालों की दुर्गंध से श्रद्धालु परेशान

विकासनगर(आरएनएस)। पछुवादून में राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे बरसाती पानी की निकासी के लिए बने नाले गंदगी से अटे पड़े हैं। जो इन दिनों यात्रा मार्ग की सूरत बिगाड़ने के साथ ही बरसात में स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का सबब बन सकते हैं। कई जगहों पर गंदगी और पॉलीथिन से नाले पटे हैं। ऐसे में यात्रा मार्ग पर दुर्गंध फैलने से संक्रामक बीमारियां फैलने का खतरा भी बना हुआ है। क्षेत्र में एनएच किनारे कई नाले बने हुए हैं।

मुख्य बाजार समेत कई अन्य जगहों पर ये नाले भूमिगत हैं, जो फुटपाथ के नीचे से गुजर रहे हैं। बरसात से पहले इन नालों की सफाई नहीं होने के कारण हर साल बस्तियों और सड़कों में जल भराव की समस्या पैदा हो जाती है। जबकि एनएच किनारे रसूलपुर में खुला नाला गंदगी से भरा हुआ। नाले के सामने सड़क पर भी गंदगी का ढेर लगा हुआ है, जिससे दुर्गंध उठती रहती है।

स्थानीय निवासी संजीव चौधरी, विजय चौहान, धनंजय नेगी, रविकांत ने बताया कि इन दिनो इसी मार्ग से होकर चारधाम यात्री भी गुजर रहे हैं। ऐसे में देश विदेश से आने वाले यात्रियों के सामने क्षेत्र की छवि भी खराब हो रही है। हरिपुर निवासी सुमित कुमार, शमशेर सिंह तोमर, पूर्व प्रधान रेखा चौधरी, अनूप, शांति प्रकाश ने बताया कि इन दिनो यमुना तट पर घाट निर्माण किया जा रहा है। जबकि चार धाम जाने वाले श्रद्धालु भी यमुना स्नान के लिए हरिपुर घाट पर पहुंच रहे हैं। ऐसे में गंदगी से अटा पड़ा नाला श्रद्धालुओं के लिए भी परेशानी का सबब बना हुआ है। इसके साथ ही नाले की गंदगी यमुना में गिर रही है, जिससे हरिपुर घाट पर यमुना प्रदूषित हो रही है।

उधर, एनएच के अधिशासी अभियंता सुरेश कुमार ने बताया कि यात्रा मार्ग पर पड़ने वाले दोनों नालों की सफाई जल्द ही करा दी जाएगी।

बैंक में पर्याप्त स्टाफ नहीं होने से ग्रामीण परेशान

विकासनगर(आरएनएस)। तहसील क्षेत्र के अंतर्गत क्वांसी स्थित पंजाब नेशनल बैंक शाखा में कर्मचारियों की भारी कमी के चलते स्थानीय ग्रामीण और आसपास के क्षेत्र के लोगों को बैंकिंग सेवाओं में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हालात यह हैं कि छोटी-छोटी बैंकिंग जरूरतों के लिए भी लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ता है, जबकि कई बार उन्हें बिना काम कराए ही वापस लौटना पड़ता है। ग्रामीणों के अनुसार इस शाखा में लंबे समय से न तो पर्याप्त कर्मचारी तैनात हैं और न ही नियमित बैंक मैनेजर की व्यवस्था की गई है। परिणामस्वरूप जमा-निकासी, पासबुक अपडेट, पेंशन, सरकारी योजनाओं से जुड़े लेनदेन और अन्य आवश्यक कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं।पुनाह पोखरी के क्षेत्र पंचायत सदस्य सरदार सिंह चौहान, विजयपाल सिंह, अजवीर सिंह, महावीर सिंह, प्रीतम सिंह, प्रताप सिंह समेत कई स्थानीय निवासियों ने बताया कि बैंक में स्टाफ की कमी के कारण रोजाना लोगों को भारी परेशानियों से गुजरना पड़ रहा है। खासतौर पर बुजुर्ग, महिलाएं और दूर-दराज के गांवों से आने वाले ग्रामीणों को अधिक कठिनाई उठानी पड़ती है।ग्रामीणों का कहना है कि यह शाखा आसपास के करीब सात खतों के सैकड़ों लोगों के लिए एकमात्र प्रमुख बैंकिंग केंद्र है। ऐसे में यहां कर्मचारियों की कमी का सीधा असर आम जनता की रोजमर्रा की जरूरतों पर पड़ रहा है। कई बार शिकायत करने के बावजूद भी अब तक स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही बैंक में पर्याप्त स्टाफ और स्थायी मैनेजर की नियुक्ति नहीं की गई, तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। उन्होंने संबंधित विभाग और उच्चाधिकारियों से मांग की है कि ग्रामीण क्षेत्र की इस महत्वपूर्ण शाखा में तत्काल प्रभाव से कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके।ग्रामीणों ने प्रशासन और बैंक के उच्च अधिकारियों से अपील की है कि समस्या की गंभीरता को समझते हुए जल्द से जल्द आवश्यक कदम उठाए जाएं, जिससे आमजन को सुचारू और समय पर बैंकिंग सेवाएं मिल सकें।

क्या टूथपेस्ट और शैंपू से बढ़ रहा कैंसर का खतरा, जानें क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

आज कैंसर पूरी दुनिया के लिए चुनौती बना हुआ है। हर साल बड़ी संख्या में लोग कैंसर की चपेट में आ रहे हैं। इसके एक नहीं कई कारण हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में साल 2022 में कैंसर के 1416 लाख केस थे, जो 2025 तक बढ़कर 1517 लाख हो सकते हैं। कैंसर एक जानलेवा बीमारी है। यह कितना खतरनाक है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पिछले साल ही करीब 8 लाख लोगों की मौत कैंसर से हो गई थी। ये आंकड़ा साल दर साल बढ़ते ही जा रहे हैं। कैंसर का मुख्य कारण खराब खानपान, वायु प्रदूषण और फिजिकल एक्टिविटी का कम होना है। हर दिन हम कई ऐसे काम करते हैं, जो कैंसर को बढ़ावा दे सकते हैं। इन्हीं में से एक है टूथपेस्ट और शैंपू का इस्तेमाल। माना जा रहा है कि दोनों प्रोडक्ट्स को यूज करने से कैंसर बढ़ सकता है। आइए जानते हैं क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स।।।

क्या टूथपेस्ट से कैंसर फैल रहा है

अब सबसे बड़ा सवाल कि क्या सुबह-शाम जो टूथपेस्ट हम कर रहे हैं, उससे कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। टोरंटो यूनिवर्सिटी की एक रिसर्च में बताया गया है कि टूथपेस्ट में ट्राइक्लोसन कंपाउंड पाया जाता है, जिससे कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। ये ऐसा प्रोडक्ट है जो शरीर में कैंसर फैलाने वाले फैक्टर को एक्टिव कर देता है। कई टूथपेस् में ट्राइस्कोसन काफी ज्यादा पाया जाता है, जो कैंसर का कारण बन सकता है। कैंसर रोग विशेषज्ञ बताते हैं कि टूथपेस्ट में पाया जाने वाला ट्राइस्कोसन आंतों के गुड बैक्टीरिया को नुकसान पहुंचा सकता है। जिससे आंतों का कैंसर फैल सकता है। इसलिए टूथपेस्ट का ज्यादा इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

क्या शैंपू भी कैंसर का कारण

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ड्राई शैंपू का कारण बन सकता है। ड्राई शैंपू में बेंजीन नाम का केमिकल पाया जाता है, जो शैंपू इस्तेमाल के दौरान केमिकल शरीर में चला जाता है और ब्लड कैंसर का खतरा बढ़ा सकता है। यही कारण है कि कुछ महीने पहले ही एफडीए ने अमेरिका के बाजारों से कई ब्रांड के ड्राई शैंपू पर बैन लगा दिया गया। ये ऐसे शैंपू थे, जिनमें बेंजीन ज्यादा पाई गई थी। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ड्राई शैंपू यूज करने के दौरान बालों को गीला करना पड़ता है। ये स्प्रे की तरह होता है। इसमें बेंजिन ज्यादा पाया जाता है, जिससे ये कैंसर का कारण बन सकता है। इसलिए सावधानी पूर्वक ही इसका इस्तेमाल करना चाहिए।

डिस्पोजेबल कप में पानी, चाय या कॉफी पीना है खतरनाक

आजकल जमाना बदल गया है। अब स्टील या कांच की गिलास या बर्तन की जगह डिस्पोजेबल कप ने ले ली है। अब पानी, चाय, कॉफी या कोई भी ड्रिंक्स पीने में डिस्पोजेबल कप का ही इस्तेमाल हो रहा है। ऑफिस से लेकर बड़े रेस्टोरेंट तक इन्हीं कप का उपयोग हो रहा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि डिस्पोजेबल कप सेहत को प्रभावित कर सकती है। चलिए जानते हैं इससे होने वाले नुकसान और डॉक्टर की सलाह।।।

डॉक्टरों का कहना है कि डिस्पोजेबल कप प्लास्टिक और केमिकल का इस्तेमाल कर बनाया जाता है। अगर लंबे समय तक इसका यूज कर रहे हैं तो ये कैंसर का कारण बन सकता है। डॉक्टरों ने बताया, डिस्पोजेबल कप में बिसफेनोल और बीपीए जैसे केमिकल पाए जाते हैं। जो काफी खतरनाक केमिकल हैं। जब इन कप में चाय या गर्म पानी पीते हैं तो इसमें मौजूद केमिकल इनमें घुल जाते हैं और ये केमिकल पेट तक पहुंच जाते हैं, जिससे कैंसर का जन्म हो सकता है।

डॉक्टर के मुताबिक, डिस्पोजेबल कप बनाने में केमिकल ही नहीं माइक्रोप्लास्टिक का इस्तेमाल भी होता है। जिससे थायराइड जैसी खतरनाक बीमारी हो सकती हैं। काफी लंबे समय तक इनके इस्तेमाल से कैंसर भी हो सकता है। शराब या स्मोकिंग करने वालों में डिस्पोजेबल कप के इस्तेमाल से कैंसर का खतरा काफी जल्दी हो सकता है। इसलिए डिस्बोजेबल कप के इस्तेमाल से हमेशा बचने की कोशिश करनी चाहिए।

डॉक्टर बताते हैं कि चाय, कॉफी या पानी पीने के लिए प्लास्टिक या पेपर के इस्तेमाल से बचना चाहिए। इसकी जगह स्टील का बर्तन या कुल्हड़ का इस्तेमाल करना चाहिए। कुल्हड में चाय पीने के कई फायदे भी होते हैं। इससे पेपर और प्लास्टिक का इस्तेमाल भी कम होता है। मिट्टी के कुल्हड़ में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो हड्डियों के लिए फायदेमंद होता है। इसलिए डिस्पोजेबल कप की बजाय कुल्हड़ या स्टील के बर्तन का इस्तेमाल कर सकते हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

टमाटर खाकर करें वजन कंट्रोल!

टमाटर एक ऐसी सब्जी है जो हर घर का अहम हिस्सा है। यह स्वाद और पोषण दोनों से ही भरी हुई है। इसमें पोटैशियम, विटामिन सी, लाइकोपीन आदि भारी मात्रा में पाए जाते हैं, जो आपकी स्किन के कलर को साफ दमकाने का काम करते हैं। टमाटर में फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जो सेहत के लिए फायदेमं हैं।

यही नहीं अगर इस लॉकडाउन के दौरान आपका वजन बढ़ गया है और बाहर निकलकर व्यायाम करना आपके लिए मुमकिन नहीं है, तो उसमें भी टमाटर आपकी मदद करेगा। आप टमाटर के जूस को या सलाद आदि में प्रयोग कर अपने वजन को घटा सकते हैं। यहां जानें इसे डेली डाइट में शामिल कर वजन को कैसे कंट्रोल किया जा सकता है।

कैलोरी में कम- टमाटर पोषक तत्वों से भरपूर है। इसमें मिनरल्स, विटामिन, प्रोटीन और फाइबर भारी मात्रा में पाए जाते हैं। एक मध्यम आकार (123 ग्राम) टमाटर में लगभग 24 कैलोरी होती है, जबकि एक बड़े टमाटर (182 ग्राम) में 33 कैलोरी होती है।

फाइबर में उच्च - टमाटर फाइबर से भरपूर होता है, जिसमें घुलनशील और अघुलनशील फाइबर शामिल होते हैं। टमाटर में घुलनशील फाइबर आपको लंबे समय तक पेट भरा रखने का एहसास करवाते हैं। इससे कैलोरी सेवन को कम करने में मदद मिलती है। टमाटर में अघुलनशील फाइबर शरीर के वजन को नियंत्रित करता है और पाचन तंत्र को कब्ज से मुक्त रखता है।

लो कार्बोहाइड्रेट- टमाटर में कार्बोहाइड्रेट कम होता हैं, जो वजन घटाने में काफी मदद कर सकता है। एक बड़े टमाटर में 7 ग्राम कार्ब होता है। वजन कम करने के लिए, एक या दो टमाटर को अपने दैनिक आहार में शामिल कर सकते हैं।

पाचन के लिए अच्छा है - अपच या कब्ज की परेशानी आपको मोटापे का शिकार बना सकती है। अच्छी पाचन क्रिया से शरीर का मेटाबॉलिज्म ठीक होता है। यही नहीं, इससे वेट लॉस जर्नी को तेजी मिलती है।

इस तरह कीजिए टमाटर को भोजन में शामिल- सैंडविच या रैप्स के बीच टमाटर की स्लाइस शामिल करें। ताजे सलाद को बेबी टमौटो या कटे हुए टमाटर के साथ गार्निश करें। उबले अंडे और आमलेट में कच्चे कटे टमाटर डालें। उन्हें अपने कॉटेज पनीर, पिज्जा, पास्ता, और कबाब में मिलाएं। टमाटर का रस या टमाटर की स्मूदी बनाएं। दोपहर या रात के खाने के लिए एक कप टमाटर का सूप लें।

इस प्रकार हमेशा आपके करीब रहेंगे बच्चे

आजकल व्यस्त होने के कारण अभिभावक बच्चों को सारी सुविधाएं मुहैया कराने के फेर में उन्हें समय देना ही भूल जाते हैं। उन्हें लगता है कि जब बच्चों को सब मिल रहा है तो उनके साथ बैठना की क्या जरुरत है पर यह सही नहीं है। इससे बच्चे सही या गलत का भेद भूल कर अपने तरीके से फैसला लेने लगते हैं जो नुकसानदेह भी हो सकता है। सभी माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चे हमेशा खुश रहें। मां-बाप बच्चों को हर खुशी देने के लिए रात-दिन काम करते है जिससे उन्हें चाहते हुए भी बच्चों के लिए समय ही नहीं मिलता । जिस वजह से बच्चे उनसे दूर हो जाते हैं और अवसाद के शिकार हो जाते हैं। अगर आप अपने बच्चों को खुश रखना चाहते हैं तो इस प्रकार रहें।

बेहतर करने की प्रेरणा दें : आपका बच्चा अगर कोई अच्छा काम करता है तो उसकी तारीफ करें और इससे भी बेहतर करने की प्रेरणा दें। इससे वो खुश भी होगा और आगे और भी अच्छा काम करेने की कोशिश करेगा।

समय बिताएं : काम में व्यस्त होने के कारण अभिभावक बच्चों के लिए समय नहीं निकाल पाते। जब भी आपको काम से फुर्सत मिले अपने बच्चों के साथ समय बिताएं। इससे बच्चे आपके करीब आएंगे।

घर में खुश रहें: कई लोगों पर आफिस के तनाव का प्रभाव घर पर भी दिखता है। इससे साथ इससे घर का माहौल खराब होता है। इसलिए आफिस का गुस्सा और तनाव घर पर न लाएं। जब भी घर आएं खुश होकर ही आएं। आपके चेहरे की खुशी उनको भी खुश कर देगी।

ध्यान से सुनें बच्चों की बातें : अगर आपका बच्चा आपसे कोई बात करता है तो उसकी बात को ध्यान से सुने और समझें। उनकी जरुरतों को आपसे ज्यादा कोई नहीं जानता इसलिए उनकी बातों पर ध्यान दें और उन्हें पूरा करें।

अच्छी बातें सिखाएं: बच्चों को सिखाएं कि अगर कोई आपकी मदद करता है तो उसे धन्यवाद जरुर करें।

शब्द सामर्थ्य -016

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

ऊपर से नीचे

1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंत:करण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

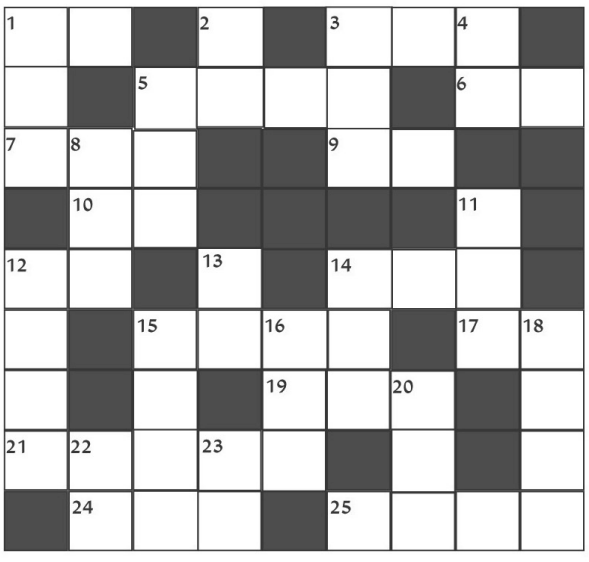

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 15 का हल

गु	मा	न			प	यो	द	
न		ह	क	दा	र		ल	य
ह	वा	ला	त		च		द	म
गा			रा	ज	म	ह	ल	
र	ई	स		ग		स		अ
	मा		प	त	वा	र		ल
ख	न	क	ना		ह	त		बे
स	दा		ह		वा		शो	ला
रा	र				ही	र	क	

साई पल्लवी और जुनैद खान की मैजिकल लव स्टोरी जगा रही प्यार की उम्मीद

आमिर खान प्रोडक्शंस की आने वाली फिल्म एक दिन, जिसमें साई पल्लवी और जुनैद खान लीड रोल में हैं, एक प्यारी और दिल को छू लेने वाली प्रेम कहानी का वादा करती है। वाकई यह एक ऐसी फिल्म है जिसका हर कोई बेसब्री से इंतजार कर रहा है। अपने रूहानी गानों के साथ एक शानदार माहौल बनाने के बाद, अब मेकर्स ने इसका एक दिलचस्प ट्रेलर रिलीज कर दिया है, जो उम्मीद और जादू से भरी एक प्रेम कहानी को बेहद खूबसूरती से पेश करता है।

एक दिन का ट्रेलर आखिरकार आ गया है, और यह एक जादुई प्रेम कहानी से रूबरू कराता है। जुनैद खान ने एक शर्मीले और थोड़े अलग लड़के का किरदार निभाया है, जिसे साई पल्लवी से प्यार हो जाता है, जो एक खुशमिजाज और जिंदादिल लड़की है। वैसे तो वे दोनों एक ही ऑफिस में काम करते हैं, लेकिन जुनैद उससे बात करने की हिम्मत नहीं जुटा पाते।

हालांकि, कहानी में ट्विस्ट तब आता है जब जापान में साई का एक्सीडेंट हो जाता है और वह ट्रांजिएंट ग्लोबल एमनेशिया की शिकार हो जाती है, जिसमें उसे सिर्फ जुनैद याद रहता है, जिसने उसकी जान बचाई थी। जहां यह मोड़ पूरी कहानी का रुख बदल देता है, वहीं यह देखना वाकई रोमांचक होगा कि यह प्रेम कहानी कैसे आगे बढ़ती है और क्या मोड़ लेती है।

ट्रेलर रिलीज होने के साथ ही यह साफ हो गया है कि एक शालीन, कोमल और दिल को छू लेने वाली प्रेम कहानी आने वाली है। यह कहानी प्यार में यकीन रखने, उम्मीद को थामे रहने और जादू के होने का इंतज़ार करने के बारे में है। निश्चित रूप से, यह एक दुर्लभ कहानी है जो लंबे समय बाद बड़े पर्दे पर आने के लिए तैयार है।

एक दिन के जरिए आमिर खान और फिल्म मेकर मंसूर खान एक लंबे अरसे के बाद फिर साथ आए हैं, जिससे हिंदी सिनेमा की सबसे पसंदीदा क्रिएटिव जोड़ियों में से एक फिर से जिंदा हो गई है। साथ मिलकर उन्होंने दर्शकों को कयामत से कयामत तक, जो जीता वही सिकंदर, अकेले हम अकेले तुम और जाने तू।।। या जाने ना जैसी यादगार फिल्में दी हैं। एक दिन के साथ यह जोड़ी एक बार फिर रोमांस जॉनर में लौट रही है, जिससे फैंस के बीच नया उत्साह पैदा हो गया है।। उनके फिर से साथ आने ने उत्सुकता बढ़ा दी है, और दर्शक उस जादू को पर्दे पर दोबारा देखने के लिए बेताब हैं।

आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी फिल्म एक दिन में साई पल्लवी और जुनैद खान मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन सुनील पांडे ने किया है और इसे आमिर खान, मंसूर खान और अपर्णा पुरोहित ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

मातृभूमि को सीधे ओटीटी पर रिलीज नहीं करेंगे सलमान खान, आ गया अपडेट

सलमान खान की आगामी फिल्म मातृभूमि किसी न किसी वजह से लगातार चर्चा में है। पहले इसे ईद, 2026 के मौके पर रिलीज करने की चर्चा थी। फिर अगस्त तक स्थगित करने का मामला सामने आया। इस बीच, कुछ रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया कि फिल्म को सीधे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम किया जाएगा। इन खबरों ने बेशक फैंस के बीच हलचल मचाई, लेकिन अब साफ हो गया है कि सलमान फिलहाल के लिए ओटीटी का रास्ता नहीं चुनेंगे।

एक सूत्र ने मातृभूमि को ओटीटी पर रिलीज करने की खबरों का खंडन करते हुए कहा, सलमान अब भी एक मेगा स्टार हैं। उन्होंने मातृभूमि को भव्य पैमाने पर बनाया है। यह बड़े पर्दे के लिए बनी फिल्म है, इसलिए वह और निर्देशक अपूर्वा लखिया फिल्म से जुड़े मुद्दों के सुलझने के बाद इसे सिनेमाघरों में रिलीज करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मतलब साफ है कि देर से सही, लेकिन फिल्म सिनेमाघरों में ही आएगी।

रिपोर्ट के अनुसार, मातृभूमि को अभी तक सेंसर बोर्ड के समक्ष प्रमाणन प्रक्रिया के लिए पेश नहीं किया गया है। सूत्र ने बताया कि पहले फिल्म सच्ची घटना पर आधारित थी, लेकिन रक्षा मंत्रालय के अनुरोध पर निर्माताओं ने कहानी में काल्पनिक मोड़ जोड़कर फिल्म को दोबारा शूट किया। दरअसल, मंत्रालय ने फिल्म में चीन और गलवान घाटी के सीधे संदर्भों को हटाने का सुझाव दिया था। इस कारण से फिल्म को लगातार देरी का सामना करना पड़ रहा है।

फिल्म को लीक होते देखना बहुत मुश्किल है: पूजा हेगड़े

अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म जन नायकन' के फुटेज के इंटरनेट पर लीक होने पर गहरा दुख व्यक्त किया है। फिल्म में विजय और पूजा हेगड़े लीड रोल में हैं। पूजा ने कहा कि फिल्म को अपने सामने लीक होते देखना बहुत बुरा है। साथ ही उन्होंने दर्शकों से अपील की कि वे फिल्म का इंतजार करें और इसे सिनेमाघरों में बड़े पर्दे पर देखें। पूजा हेगड़े ने बयान जारी करते हुए कहा, मेरे प्यारे दर्शकों, एक फिल्म अनगिनत घंटों की मेहनत, क्रिएटिव रिस्क और पूरी टीम की निजी कुर्बानियों और मेहनत का नतीजा होती है। हमारी फिल्म को ऑनलाइन लीक होते देखना बहुत दुखद है। इसे लीक होते और गैर-कानूनी तरीके से शेयर होते देखना बहुत मुश्किल है। इससे सिर्फ कमाई का नुकसान नहीं होता, बल्कि हर कलाकार और टेक्नीशियन की मेहनत और इज्जत छीन ली जाती है। हम सभी इस बात के हकदार हैं कि विजय की आखिरी फिल्म को बड़े पर्दे पर सही तरीके से देखें और उसका जश्न मनाएं। उन्होंने दर्शकों से अनुरोध किया, चलिए, थोड़ा इंतजार करते हैं। फिल्म सही समय पर रिलीज होगी। पायरेसी को बढ़ावा न दें। इसी तरह सिनेमा और कला जिंदा रहेंगे।

वहीं, फिल्म के प्रोडक्शन हाउस केवीएन प्रोडक्शंस ने भी बयान जारी किया। प्रोड्यूसर्स ने कहा कि फिल्म के कुछ सीन और क्लिप गैर-कानूनी तरीके से लीक हो गए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि व्हाट्सएप, टेलीग्राम, इंस्टाग्राम, फेसबुक, यूट्यूब, टोरेंट या किसी भी माध्यम से लीक कंटेंट को डाउनलोड करना, देखना, शेयर करना या स्टोर करना अपराध है और कॉपीराइट कानून का उल्लंघन है।

प्रोडक्शन हाउस ने कहा, हमने जांच शुरू कर दी है। फोरेंसिक जांच के साथ लीक में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है। हर अपराधी के खिलाफ बिना किसी अपवाद के सख्त आपराधिक कार्रवाई की जाएगी।

प्रोडक्शन हाउस ने आम जनता को सलाह दी कि लीक हुए कंटेंट को न खोलें, न स्टोर करें और न ही आगे शेयर करें। अगर किसी को ऐसे कंटेंट मिले तो उसे तुरंत डिलीट कर दें।

जन नायकन' एक एक्शन एंटरटेनर फिल्म है, जो थलापति विजय की आखिरी फिल्म बताई जा रही है। फिल्म के डायरेक्टर एच. विनोद हैं।

ईशा सिंह निभाएंगी ऑटिस्टिक लड़की की भूमिका!

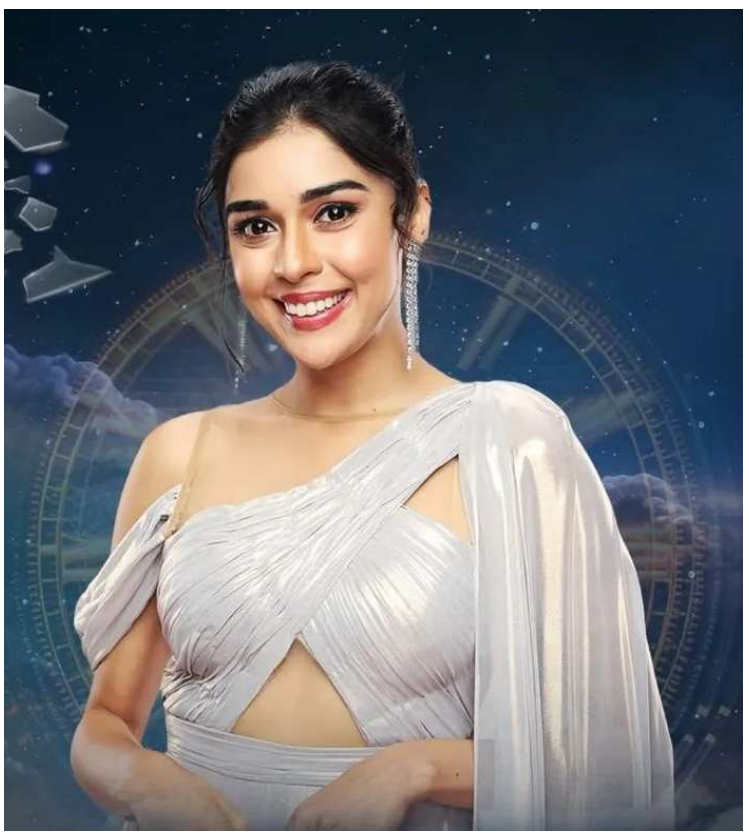

ईशा सिंह और विजयेंद्र कुमेरिया की जोड़ी जल्द ही एक नए सीरियल में नजर आने वाली है।इनके अपकमिंग सीरियल का नाम है जूही। हालांकि, चैनल ने अभी प्रोजेक्ट को लेकर कोई भी डिटेल आउट नहीं किया है।

रिपोर्ट के अनुसार इस सीरियल में एक नई और इमोशनल कहानी को दिखाई जाएगी, जिसमें ईशा सिंह और विजयेंद्र कुमेरिया अहम भूमिका में नजर आएंगे।इस शो के जरिए बॉलीवुड एक्टर संजय सूरी भी टीवी पर डेब्यू करने जा रहे हैं, इस वजह से भी ये नया सीरियल चर्चा में बना हुआ है।

रिपोर्ट के अनुसार वो इस शो में जूही के पिता की भूमिका में नजर आएंगे। जो शो की कहानी में एक अलग ही ट्विस्ट लेकर आएंगे।रिपोर्ट के अनुसार इस सीरियल का प्रीमियर आईपीएल के बाद होगा।शो को लेकर अभी से ही दर्शकों में काफी एक्साइटमेंट देखने को मिल रही है।

रिपोर्ट के अनुसार इस शो की कहानी जूही नाम की एक ऑटिस्टिक लड़की के इर्द-गिर्द घूमेगी, जिसका कैरेक्टर ईशा सिंह प्ले करने वाली हैं।शो की कहानी जूही की जर्नी पर बेस्ड होगी, वो एक ऐसे दुनिया में खुद को संभालती हुई नजर आएगी, जो उसे समझ ही नहीं पाती है।

शो में उसकी चुनौतियों और उसकी ताकत दोनों को दिखाया जाएगा।उम्मीद की जा रही है कि ईशा सिंह अपने रोल को बहुत ही सेंसेटिव तरीके से निभाएंगी।साथ ही ऑटिस्टिक लड़के के कैरेक्टर और उसकी भावनाओं को खूबसूरती के साथ स्क्रीन पर पेश करेंगी।

विजयेंद्र कुमेरिया इस शो में अहम भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे, जो जूही को सपोर्ट करेंगे।उसकी पर्सनल और सोशल दोनों जर्नी में उसका खूब साथ देंगे।वहीं जूही के पिता के कैरेक्टर में संजय सूरी कहानी को इमोशनल तरीके से जोड़ेंगे।

उनका कैरेक्टर एक ऐसे शख्स का होगा जिसकी बेटी ऑटिस्टिक होती है, जिसे लेकर उसे काफी चिंता होती है, लेकिन प्यार भी बहुत होता है। अपनी बेटी के लिए वो दुनिया से लड़ सकता है, जिससे ये शो और भी ज्यादा रियल और इम्पैक्टफुल लगेगा।

भाबर क्षेत्र में 45 दिन में सिलिंडर बुक होने पर यूकेडी ने किया प्रदर्शन

कोटद्वार(आरएनएस)। नगर निगम क्षेत्र में घरेलू गैस बुकिंग के दोहरे मानक पर यूकेडी कार्यकर्ता भड़क गए। नगर में प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने महानगर क्षेत्र में घरेलू गैस सिलिंडर 25 दिन के अंतराल में उपलब्ध कराने की मांग उठाई। इस संबंध में एसडीएम संदीप कुमार के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा गया। यूकेडी कार्यकर्ता हिंदू पंचायती धर्मशाला में एकत्र हुए। नारेबाजी करते हुए उन्होंने नगर में जुलूस निकाल प्रदर्शन किया। तहसील परिसर में हुई सभा में वक्ताओं ने कहा कि आज गैस की किल्लत होने पर भाबर क्षेत्र के लोगों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। नगर में एजेंसी में 25 दिन के अंतराल में सिलिंडर उपलब्ध करा रही है। वहीं, भाबर क्षेत्र में 45 दिन के बाद सिलिंडर की बुकिंग हो रही है। कहा कि सरकार ने भोजन पकाने की गैस का कोई विकल्प नहीं दिया है। प्रदर्शनकारियों ने प्रत्येक परिवार को 25 दिन के अंतराल में गैस सिलिंडर उपलब्ध कराने की मांग की है। साथ ही मांग पर कार्रवाई न होने पर जन सहयोग से आंदोलन छेड़ने की चेतावनी दी है। प्रदर्शन करने वालों में यूकेडी के वरिष्ठ नेता डॉ. शक्तिशैल कपरवाण, महेंद्र सिंह रावत, भगवती प्रसाद कंडवाल, दिनेश जुयाल, रोहित डंडरियाल, महानगर अध्यक्ष जगदीपक सिंह रावत, भारत मोहन काला, विनोद चौधरी, संदीप पंवार, हयात सिंह गुसाईं, हरीश चंद्र ध्यानी, पुष्कर सिंह रावत, सत्यप्रकाश भारद्वाज, प्रवेश नवानी, हरीश द्विवेदी, पुष्पा मेहरा, दीपा अधिकारी, विनीता रावत, कल्पना जोशी, नरेश धस्माना आदि शामिल रहे।

गैस एजेंसी पर पूर्व पार्षद का धरना आश्वासन पर समाप्त हुआ

हरिद्वार(आरएनएस)। उत्तरी हरिद्वार की दीपिका गैस एजेंसी पर पूर्व पार्षद लखन लाल चौहान अनशन पर बैठ गए। उन्होंने एजेंसी पर अनियमितताओं का आरोप लगाया। मौके पर उपभोक्ताओं की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर खड़खड़ी चौकी पुलिस भी मौके पर पहुंची। एजेंसी प्रबंधक विपिन शर्मा के आश्वासन के बाद पूर्व पार्षद ने अनशन समाप्त किया। उन्होंने चेतावनी दी कि व्यवस्थाओं में सुधार नहीं होने पर दोबारा आमरण अनशन करेंगे। सोमवार सुबह भूपतवाला स्थित दीपिका गैस एजेंसी के कार्यालय पर पूर्व पार्षद ने भोजन त्याग कर अनशन शुरू कर दिया। मांग उठाई कि भीषण गर्मी में कार्यालय पर सिलेंडर बुकिंग बंद कर ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा दी जाए। साथ ही एजेंसी से सीधे वितरण बंद कर घरेलू सिलेंडरों की होम डिलीवरी शुरू की जाए। गरीब व मजदूरों को पांच किलोग्राम का कॉमर्शियल सिलेंडर उपलब्ध कराया जाए। एजेंसी प्रबंधक विपिन शर्मा ने एक मई से ऑनलाइन बुकिंग शुरू करने, सभी उपभोक्ताओं को होम डिलीवरी देने और आधार कार्ड की फोटो कॉपी पर पांच किलोग्राम का कॉमर्शियल सिलेंडर उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इसके बाद पूर्व पार्षद ने अनशन समाप्त कर दिया।

सू- दोकू क्र.016

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.15 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

सभी हितधारकों को ध्यान में रखकर बनेगा ट्रैफिक प्लान - आईजी

हरिद्वार(आरएनएस)। कुंभ मेला-2027 को लेकर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मेला भवन (सीसीआर) स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में कुंभ मेला यातायात नियंत्रण उपसमिति की बैठक आयोजित की गई। इसमें आईजी कुंभ योगेंद्र सिंह रावत ने संत समाज, व्यापारियों, होटल व्यवसायियों, टैक्सी यूनियन और अन्य संबंधित पक्षों से सुझाव मांगे। ताकि सभी को ध्यान में रखते हुए प्रभावी ट्रैफिक प्लान तैयार किया जा सके। अधिकारियों ने बताया कि श्रद्धालुओं और साधु-संतों की संभावित संख्या का आकलन कर यातायात योजना तैयार की जा रही है। प्राप्त सुझावों और सुधार बिंदुओं के आधार पर योजना में आवश्यक बदलाव किए जाएंगे। इस दौरान एसपी ट्रैफिक/क्राइम निशा यादव ने अब तक तैयार किए गए यातायात प्रबंधन प्लान की क्रमवार जानकारी उपसमिति के समक्ष रखी। वहीं, एसपी सिटी अभय सिंह ने सदस्यों के सवालों के जवाब देते हुए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर स्थिति स्पष्ट की। आईजी योगेंद्र सिंह रावत ने कहा कि ट्रैफिक प्लान बनाते समय श्रद्धालुओं के साथ-साथ होटल व्यवसायियों, टैक्सी-टेंपो संचालकों, रिक्शा यूनियन, अखाड़ा परिषद और साधु समाज सहित सभी हितधारकों के हितों का पूरा ध्यान रखा जाएगा। एसएसपी नवनीत सिंह ने सभी से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि भीड़ के दबाव के अनुसार अलग-अलग ट्रैफिक प्लान तैयार कर लागू किए जाएंगे। कुंभ जैसे विशाल आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी विभागों और समाज के विभिन्न वर्गों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। बैठक में अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती, व्यापारी नेता संजीव नैय्यर, विकास तिवारी, डॉ. विशाल गर्ग, प्रवीण कुमार, विवेक मिश्रा, राहुल शर्मा आदि मौजूद रहे।

दरअसल बैठक में शहर के प्रमुख व्यापारियों के गुट ने नाराजगी जाहिर की। आरोप था कि सबसे अधिक व्यापारी उनके व्यापार मंडल में है, उसके बावजूद उन्हें बैठक में पीछे बैठाया गया, जबकि तथाकथित व्यापारी मंडल के पदाधिकारी आगे आकर बैठक गए। व्यापारी नेताओं ने पुलिस और प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि उनके व्यापार मंडल के स्थान आरक्षित किया जाए।

हरकी पैड़ी और मेला क्षेत्र की व्यवस्थाओं को लेकर महानगर व्यापार मंडल ने प्रशासन के समक्ष कई महत्वपूर्ण सुझाव रखे। सीसीआर में आईजी उत्तराखंड की अध्यक्षता में आयोजित यातायात सुझाव बैठक के दौरान व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने श्रद्धालुओं और आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ज्ञापन सौंपा।

महानगर व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष सुनील सेठी और जिला महामंत्री संजय त्रिवाल ने संयुक्त रूप से आईजी उत्तराखंड और एसएसपी हरिद्वार नवनीत भुल्लर को पत्र प्रेषित किया। ज्ञापन में हरकी पौड़ी क्षेत्र को भिखारियों और असामाजिक तत्वों से मुक्त कराने, सत्यापन अभियान तेज करने और गंगा घाटों, मुख्य सड़कों व मेला क्षेत्र से सटी कॉलोनियों को नो-पार्किंग जोन घोषित करने की मांग की गई। इसके अलावा भीमगोड़ा सर्वानंद अंडरपास और ज्वालापुर अंडरपास की व्यवस्थाएं दुरुस्त करने, फ्लाईओवर कट खाली कराने, प्रमुख चौराहों और तिराहों पर यातायात सुचारु रखने तथा हाईवे पर बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के सुझाव भी दिए गए।

व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने कहा कि कुंभ मेले में करोड़ों श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए अभी से मजबूत व्यवस्थाएं जरूरी हैं, ताकि यातायात और सुरक्षा व्यवस्था प्रभावी बनी रहे। बैठक में तेज प्रकाश साहू, महेश गौड़, गिरीश भाटिया, सरदार इकबाल सिंह, कुलदीप शर्मा, सत्यनारायण शर्मा, मुकेश अग्रवाल, प्रवीण शर्मा सहित पुलिस प्रशासन के अधिकारी, संत समाज, व्यापार मंडल, होटल-धर्मशाला एसोसिएशन, टैक्सी-मैक्सी और ऑटो यूनियन के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

डौला के ग्रामीणों ने जिला मुख्यालय में प्रदर्शन किया

बागेश्वर(आरएनएस)। कच्ची सड़क पर डामरीकरण होने तक खड़ंचा बिछाने की मांग को लेकर डौला के ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। यहां हुई सभा में वक्ताओं ने कहा कि बारिश के दिनों यह सड़क चलने लायक नहीं रह जाता है। खड़िया खनन क्षेत्र होने के कारण मार्ग पर फिसलन बढ़ जाती है। ग्रामीणों ने डामरीकरण होने तक मार्ग पर खड़ंजा बिछाने की मांग की है। जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर गांव के भ्रमण की भी मांग की है। ग्राम प्रधान उमा देवी के नेतृत्व में ग्रामीण जिला मुख्यालय पहुंचे। यहां नारेबाजी के साथ प्रदर्शन किया। यहां हुई सभा में वक्ताओं ने कहा कि उनके गांव में कई बुनियादी समस्याएं हैं। जिन्हें समय-समय पर प्रशासन को अवगत भी कराया जाता है, लेकिन समस्या आज भी जस की तस बनी हैं। सबसे गंभीर समस्या सड़क की है। जो सड़क बनी है वह नाममात्र की रह गई है। बारिश के चलते सड़क पूरी तरह ध्वस्त हो गई है। गांव की स्थिति अत्यंत संवेदनशील है। गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों तथा बीमार लोगों को यदि अचानक अस्पताल लाना पड़े तो समय पर पहुंचना नामुमकिन है।खड़िया मिट्टी होने के करण थोड़ी सी बारिश में सड़क फिसलन वाली हो जाती है। लोगों का चलना मुहाल हो जाता है। उन्होंने सड़क में डामरीकरण होने तक मार्ग में पत्थर का खड़ंजा बनाने की मांग की है। ताकि बारिश के दिनों में लोग आसानी से पैदल यात्रा कर सकें। इस मौके पर हरुली देवी, भावना दानू, किरन दानू, हरीश चंद्र सिंह, खीम सिंह बिष्ट आदि मौजूद रहे।

बढ़ रही प्यास, घट रहा पानी, कोटद्वार में बूंद बूंद के लिए तरसे लोग

ज्वैल सिंह कॉलोनी में चार दिन से पानी ठप, लोग परेशान

नगर क्षेत्र के लोअर कालाबड़ स्थित ज्वैल सिंह कॉलोनी में पिछले चार दिनों से पेयजल आपूर्ति ठप होने से स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कॉलोनी में अधिकांश बुजुर्ग रहने के कारण दिक्कतें और बढ़ गई हैं। स्थानीय निवासी महेंद्र सिंह रावत, भीम सिंह असवाल, बृजमोहन ममगाईं, वीरेंद्र सजवाण, विनोद सिंह, धिरीश चौधरी, सुदेश ज्वैल, कुलदीप सिंह और हरदीप सिंह ने बताया कि भीषण गर्मी के बीच जलापूर्ति बंद होने से समस्या गंभीर हो गई है। शिकायत के बावजूद विभाग ने अब तक स्थायी समाधान नहीं किया। जल संस्थान की ओर से टैंकर से पानी भेजा जा रहा है, लेकिन बड़े वाहन के कारण वह कॉलोनी तक नहीं पहुंच पा रहा है। ऐसे में लोगों को मुख्य सड़क से पानी ढोना पड़ रहा है, जो बुजुर्गों के लिए मुश्किल है। पार्षद पति हरीश खर्कवाल के साथ निवासी जल संस्थान कार्यालय पहुंचे, लेकिन वहां अधिकारी मौजूद नहीं मिले। लोगों ने जल्द समस्या के समाधान की मांग की है।

कोटद्वार(आरएनएस)। कोटद्वार की रिफ्यूजी कॉलोनी में रह रहे परिवार भीषण गर्मी में भी 20 दिनों से पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। वहीं, लैंसडौन में छावनी परिषद की ओर से की जा रही जल आपूर्ति दो दिन से ठप है। क्षेत्रवासी बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। कोटद्वार में स्थित रिफ्यूजी कॉलोनी में करीब 50 परिवार रहते हैं। सरकारी कार्यालय, अन्य संस्थान और धार्मिक स्थल होने के कारण बाहरी क्षेत्रों से भी श्रद्धालु व अन्य लोग यहां पहुंचते हैं। वहीं, भीषण गर्मी के मौसम में सी यहां करीब 20 दिनों से पेयजल आपूर्ति ठप है। कॉलोनी के लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। पानी की आपूर्ति न हो पाने की शिकायत और पानी की वैकल्पिक व्यवस्था करते-करते लोग थक चुके हैं। श्री गुरुद्वारा माता बैंसरी बाई के अध्यक्ष सरदार महेंद्र सिंह, बलराम भाटिया के अलावा स्थनीय रोहित भाटिया, बेला भाटिया, राजू आहूजा, गुलशन डुडेजा, सरदार सुखपाल सिंह, राजू भाटिया ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि कई बार स्थिति की गंभीरता से अवगत कराए जाने के बाद भी स्थानीय जनप्रतिनिधियों, जल संस्थान और प्रशासन ने अब तक समस्या की सुध नहीं ली है। वहीं, लैंसडौन के वार्ड-4 की खुशबू बिष्ट ने कहा कि दो दिन से पानी नहीं आया जिससे उन्हें बूंद बूंद पानी के लिए भी भटकना पड़ रहा है। वार्ड-3 से अनूप कन्नौजिया, घनश्याम खंडेलवाल ने बताया कि बीते दो दिन से लोग पानी के लिए काफी परेशान हैं। व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष, कांग्रेस के नवनियुक्त नगर अध्यक्ष रोशन शाह ने कहा कि दो दिन से पानी का संकट होने से लोगों को अन्य जगहों से पानी मंगवाना पड़ रहा है। इसमें धन व समय बरबाद हो रहा है। वहीं, छावनी परिषद के जलापूर्ति प्रभारी आनंद दास ने बताया कि पानी का पंप फुंक जाने से समस्या आई है। इसकी मरम्मत करवाई गई है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से बुधवार को मुख्यमंत्री आवास में विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु भूषण खंडूड़ी ने शिष्टाचार भेंट की।

विद्युत समस्याओं को लेकर कांग्रेसी पॉवर कारपोरेशन के महाप्रबंध से मिले

संवाददाता

देहरादून। जसपुर विधायक आदेश चौहान के नेतृत्व में कांग्रेसजन पॉवर कारपोरशन के महाप्रबन्धक से मिले।

आज जसपुर विधायक आदेश चौहान के नेतृत्व में कांग्रेसजनों के एक प्रतिनिधिमंडल ने उत्तराखंड पॉवर कॉरपोरेषन के महाप्रबन्धक गजेन्द्र सिंह गुनियाल से मुलाकात कर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों की विद्युत सम्बन्धी समस्याओं से अवगत कराया। आदेश चौहान ने कहा कि जसपुर विधानसभा क्षेत्र में अघोषित विद्युत कटौती की जा रही है जिससे आम जनता के साथ-साथ किसानों को भी भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में गेहूं की फसल कटाई का काम चल रहा है विद्युत कटौती के चलते उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि एक विद्युंत लाईन तो ऐसी है जहां पर बिजली न आने के चलते चोर लाईन ही उखाड कर ले गये हैं जो कि गम्भीर विषय है। पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा ने स्मार्ट मीटर एवं प्रीपेड मीटर का मामला उठाते हुए कहा कि विभाग द्वारा आम जनता पर जबरन स्मार्ट मीटर तथा प्रीपेड मीटर लगाने का दबाव बनाया जा रहा है जिसका जनता में भारी विरोध है। उन्होंने यह भी कहा कि देहरादून महानगर में स्मार्ट सिटी के नाम पर हुए कार्य भी अध ूरे पडे हुए हैं तथा कई जगह अन्डर ग्राउंड वायरिंग का कार्य अधूरा पड़ा हुआ है इनमें सुभाष रोड, नेशविला रोड़, ईसी रोड़, चुक्खूवाला आदि क्षेत्रों में गड्ढे खुदे पडे हैं तथा अभी तक अन्डर ग्राउंड वायरिंग का कार्य नहीं हुआ है जिसे शीघ्र पूर्ण कराया जाना चाहिए। साथ ही अंडर ग्राउंड वायरिंग में लो क्वालिटी की तारें बिछाई जा रही है तथा एयर पास का भी प्रावधान नहीं है जिससे दुर्घटनाओं का खतरा भी बना हुआ है। प्रतिनिधिमंडल में जसपुर विधायक आदेश चौहान, पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा, राजकुमार चौहान, हिमांशु नम्बरदार, रिपुदमन गहलोत आदि शामिल थे।

मुख्य सचिव ने कुम्भ मेला- 2027...

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

मुख्य सचिव ने कुम्भ मेला क्षेत्र के लिए रेलवे एवं सड़क मार्ग यातायात प्लान तैयार कर फाईनल किए जाने हेतु मेलाधिकारी कुम्भ, आईजी कुम्भ और डीआरएम मुरादाबाद को शीघ्र बैठक कर सभी बुनियादी आवश्यकताएं सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हरिद्वार, नजीबाबाद और मैंगलोर की ओर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए एनएचएआई एवं लोक निर्माण विभाग के स्तर से होने वाले स्पर और जंक्शंस का निर्माण और मरम्मत कार्य शीघ्र पूर्ण कराया लिया जाए। उन्होंने कुम्भ क्षेत्र के आसपास के जनपदों में भी ट्रैफिक प्लान और पार्किंग सुविधाओं का विस्तार किए जाने के निर्देश जिलाधिकारियों को दिए।

मुख्य सचिव ने आकस्मिक यातायात प्लान भी तैयार रखे जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्रवेश करने वाले स्थानों पर भी पार्किंग, रुकने, खाने एवं शौचालयों की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कुम्भ मेला क्षेत्र में चिह्नित पार्किंग स्थलों में भी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। मुख्य सचिव ने पूरे कुम्भ क्षेत्र के लिए सैनिटेशन का डेडिकेटेड प्लान तैयार किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कुम्भ मेले के दौरान देश विदेश से लाखों-करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित होते हैं। इस लिए कुम्भ क्षेत्र में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखे जाने के लिए विशेष सैनिटेशन प्लान शीघ्र तैयार किए जाने की आवश्यकता है। इस अवसर पर सचिव श्री नितेश कुमार झा, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, श्री बृजेश कुमार संत, श्री विनय शंकर पाण्डेय, श्री श्रीध र बाबू अद्दांकी, श्री रणवीर सिंह चौहान, मेलाधिकारी श्रीमती सोनिका, आईजी कुम्भ श्री योगेन्द्र सिंह रावत एवं रेलवे डिवीजन मुरादाबाद से वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

खाराखेत का पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की मांग

संवाददाता

देहरादून। संयुक्त नागरिक संगठन ने खाराखेत को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की मांग की।

आज यहां खाराखेत के व्यापक सौंदर्यीकरण इसको पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने,नन्दा की चौकी के पास 'खाराखेत नमक सत्याग्रह स्मारक' का सूचना पट/भव्य प्रवेश द्वार बनाने, नन्दा की चौकी से खाराखेत स्मारक तक के मार्ग को 'नमक सत्याग्रह मार्ग' रखने, यहां पेयजल योजना का विस्तार करने, यहां गर्मी वर्षा से बचने के लिए एक सेल्टर तथा पर्यटकों के लिए बैंचों का निर्माण करने, प्रतिवर्ष 20 अप्रैल को खाराखेत में ष्नमक सत्याग्रह मेला का आयोजन करने,वृक्षारोपण द्वारा उपयुक्त उपयोगी पेड़ो का रोपण किया जाने समेत खाराखेत नमक सत्याग्रह आन्दोलन के विषय को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने विषयक सुझावों के साथ प्रधान

प्रमुख वन संरक्षक रंजन मिश्रा से मिला संयुक्त नागरिक संगठन का शिष्टमंडल। वार्ता में पर्यावरण संरक्षण हेतु जनसहयोग की अपेक्षा करते हुए सुझावों पर यथासंभव कार्यवाही का दिया आश्वासन। सुझावों में उत्तराखण्ड के पर्वतीय सीमान्त गांवों में बुग्यालों की जैवविविधता को बचाने के लिए स्थानीय स्तर पर निगरानी तंत्र व इको जैव रक्षक समिति का गठन किए जाने, हिमालयी दुर्गम स्थानों तथा महत्वपूर्ण बुग्यालों में अधिक पर्यटकों को जाने पर रोक लगाने,बुग्यालों तथा उसके आस-पास के क्षेत्रों में घूमने वाले बाहरी पर्यटकों को पारम्परिक नियमों से अवगत कराने की भी मांग की गई है। सौंपे गए पत्र में रायपुर स्टेडियम देहरादून के प्रवेश द्वार के समीप पीडब्लूडी विभाग द्वारा ट्रांसप्लांट किए गये सूखे पेड़ों के जगह नये पौधों को रोपकर वन विकसित किए जाने पर भी जोर दिया गया है। शिष्टमंडल में ब्रि.केजी बहल, लै.कर्नल बीएम थापा, डॉ.राकेश डंगवाल, गिरीशचंद्र भट्ट, स्वामी एस चंद्रा, जगमोहन मेहंदीरता, अवधेश शर्मा, एम एस रावत, सुशील त्यागी, शेरसिंह, मुकेश नारायण शर्मा शामिल थे।

संयुक्त नागरिक संगठन ने परिवहन मंत्री को भेजा पत्र

संवाददाता

देहरादून। दैनिक रोडवेज बसों को चारधाम यात्रा मार्ग पर भेजने पर संयुक्त नागरिक संगठन ने परिवहन मंत्री व परिहन आयुक्त को पत्र भेजा।

आज यहां पर्वतीय रूटों पर चलने वाली दैनिक रोडवेज बसों को हटाकर इन्हें चारधाम यात्रा मार्ग पर भेजने से जनसामान्य को हुई कठिनाइयों के निराकरण हेतु आवश्यक कार्यवाही की मांग करते हुए परिवहन मंत्री प्रदीप बत्रा तथा परिवहन आयुक्त बी के संत को भेजे खत। संयुक्त नागरिक संगठन की ओर से लिखे गए खतों में बताया गया की पहाड़ के यात्रियों के लिए आवागमन का मुख्य साधन ये रोडवेज बसे हैं। पहाड़ी मार्गों के 11 रूटों पर संचालित सरकारी बसों को परिवहन विभाग द्वारा

इस कृत्य से होने वाले दीर्घकालिक परिणामों को जाने बिना इन्हें चारधाम यात्रा में लगा दिया गया है। इन बस सेवाओं के बाधित होने से पहाड़ के लोगों को होने वाली कठिनाइयां उत्तराखंड राज्य की स्थापना की मूल भावना के विरुद्ध है। कहा गया है राज्य का गठन इसलिए नहीं हुआ था की यात्रियों की सुविधाओं का खामियाजा पहाड़ के लोग ही चुकाएंगे।मांग की गई है की उत्तराखंड परिवहन निगम को प्राइवेट कंपनियों से अनुबंध कर अतिरिक्त निजी बसों को यात्रा मार्ग पर लगाना चाहिए। क्योंकि जब वीआईपी रेलियों, कुंभ, कावड़ आदि पर निजी बसें अधिग्रहीत की जा सकती हैं तो चार धाम के लिए भी यह संभव है। सुझाव दिया गया की उत्तर प्रदेश,हरियाणा,दिल्ली, राजस्थान के परिवहन विभागो से यात्रा काल के लिए बसें ली जानी चाहिएघ तथा भीषण गर्मी में जनमानस की कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए नियमित बसों को पहाड़ी रूटों से नहीं हटाना चाहिए।चार धाम यात्रा हेतु जीएमओ तथा केएमओ से अतिरिक्त बसें लगाई जानी भी जरूरी हैं जिससे रोडवेज बसों को पूर्व निर्धारित रूप से न हटाया जा सके।

व्यापारियों ने किया चिंतन बैठक का आयोजन

संवाददाता

हरिद्वार। घटते व्यापार पर चिंता व्यक्त करते हुए व्यापारियों ने चिंतन बैठक का आयोजन किया।

आज यहां उत्तराखंड चारधाम यात्रा प्रारंभ हो जाने के उपरांत भी व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने लगातार हरिद्वार के घटते हुए व्यापार पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त करते हुए संजय चोपड़ा की अध्यक्षता में पुरानी बड़ी सब्जी मंडी कार्यालय पर घटते व्यापार पर चिंता प्रकट करते हुए चिंतन बैठक का आयोजन किया। बैठक का संचालन मोती बाजार व्यापार मंडल के महामंत्री राजेश खुराना ने किया। चिंतन बैठक के माध्यम से सभी व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने ईमेल द्वारा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मांग है कि क्या हरिद्वार के घटते व्यापार पर सरकार की ओर से आने वाले पर्यटकों की सुविधाओं के लिए ध र्मनगरी हरिद्वार के लिए विशेष पैकेज की घोषणा के साथ पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए एडवेंचर ट्रैकिंग नौका विहार हेलीकॉप्टर यात्रा जैसे प्रबंधन किए जाने की मांग को प्रमुखता से दोहराया।

इस अवसर पर संजय चोपड़ा ने कहा धर्मनगरी हरिद्वार में तीर्थ यात्रियों में पर्यटकों को बढ़ावा देने के लिए सरकार की ओर से आने वाले पर्यटकों को हरिद्वार की ओर आकर्षित करने के लिए एक विशेष पैकेज की घोषणा किया जाना न्याय संगत होगा। उन्होंने कहा कि मनसा देवी चंडी देवी और हरिद्वार से निकल रही सभी गंग नहरे को टिहरी गढ़वाल ऋषिकेश की तर्ज पर पर्यटक आकर्षित योजनाओं में सम्मिलित किए जाने की सार्थक पहल किए जाने की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उत्तराखंड पर्यटन मंत्रालय द्वारा योजनाएं बनाए जाने से हरिद्वार के व्यापार की वृद्धि किए जाने के लिए सरकार की ओर से उचित कदम की आवश्यकताएं हैं। इस अवसर पर मोती बाजार व्यापार मंडल के महामंत्री राजेश खुराना ने कहा मोती बाजार, बड़ा बाजार, विष्णु घाट, जोधामल रोड, भला रोड, सब्जी मंडी यह हरिद्वार के प्रसिद्ध बाजार हैं यहां के व्यापारी आज लगातार घटते व्यापार से बहुत चिंतित हैं। सरकार की ओर से ऋषिकेश की तर्ज पर हरिद्वार को भी पर्यटन की योजना में सम्मिलित किए जाने की उचित कार्रवाई किया किए जाने की निदान आवश्यकता है। ध र्मनगरी हरिद्वार के घटते व्यापार पर चिंतन बैठक में सम्मिलित हुए व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधियों में सुधीर कुमार भारद्वाज ,राहुल वर्मा, अवधेश कोटियाल ,संजय बंसल, राजू गुप्ता, शिव सिंह, राधेश्याम रतूड़ी, सुंदरलाल राजपूत, फूल सिंह, सनी कुमार वर्मा, आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

शहरी धनाड्यों के 17 अवैध होमस्टे का पंजीकरण निरस्त

❑ कानून से ऊपर कोई नहीं, कार्रवाई होगी कड़ी: डीएम

संवाददाता

देहरादून। 17 अवैध होमस्टे का पंजीकरण निरस्त कर करते हुए जिला अधिकारी सविन बसंल ने कहा कि कानून से ऊपर कोई नहीं, कार्रवाई कडी होगी।

आज यहां जनपद में कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने तथा आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देशानुसार होमस्टे संचालन की गहन जांच कराई जा रही है। जांच में मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर जिला प्रशासन द्वारा बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रथम चरण में 17 होमस्टे के पंजीकरण निरस्त कर दिए गए हैं। संबंधित होमस्टे को विभागीय वेबसाइट से भी विलोपित किया जाएगा। जिले में होटल रूप में शहरी धनाडय अमीरों के होमस्टे पर डीएम ने कार्रवाई का डंडा चला दिया है। इसी क्रम में जिला प्रशासन ने प्रथम चरण में 17 होमस्टे का पंजीकरण निरस्त करते हुए पर्यटन वेबसाइट से विलोपित की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

जिला प्रशासन ने ऑपरेशन सफाई शुरू करते हुए प्रथम चरण में 17 अवैध होमस्टे का पंजीकरण कर दिया है तथा

आगे भी कार्रवाई गतिमान रहेगी। विगत कई माह से शहर में बढती आपराधिक घटना नशे एवं ओवर स्पीड में वाहन चलाना अदि घटनाएं बढी है। जिसका एक बडेघ कारण में से एक होमस्टे में रात भर नियम विरूद्ध बार संचालन आदि निकल कर सामने आए है, जहां लाउड डीजे नशा अय्याशी के अड्डे बन रहे होमस्टे में उपद्रवी प्रवृत्ति के व्यक्तियों के ठहरने से आमजन की जान का खतरा बना हुआ है वहीं जिला प्रशासन इस हरकत को कतई बर्दाश्त न करते हुए सख्त प्रभावी एक्शन का मन बना चुका है। होमस्टे होटल में निर्धारित प्रक्रिया पालन किए बिना पर्यटक एवं उपद्रवी प्रवृत्ति के लोग ठहराए जा रहे है। होमस्टे भी लीज पर संचालित हो रहे है जो जिले की कानून व्यवस्था के लिए चुनौती बन रहे है। उपद्रवी प्रवृत्ति के व्यक्तियों द्वारा शहर में हुड़दंग मचाने तथा नशे की हालत में ओवर स्पीड, पिस्टल तमचों से फायरिंग की घटनाएं भी सामने आ रही है।

जिलाधिकारी ने महज 07 दिनों में मजिस्ट्रेट की 05 टीमें बनाकर इस भारी अव्यवस्था के छिपे कारक को बाहर निकाल दिया है। जिलाधिकारी ने कहा कि होमस्टे योजना का मूल उद्देश्य स्थानीय संस्कृति, पारंपरिक व्यंजनों के प्रचार-प्रसार तथा स्थानीय निवासियों की आय में वृद्धि करना है, किंतु निरीक्षण के दौरान कई होमस्टे का उपयोग होटल अथवा व्यावसायिक प्रतिष्ठान की भांति किया जाना पाया गया, जिससे अव्यवस्था एवं कानून-व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था।

जिलाधिकारी के निर्देशानुसार सहसपुर एवं रायपुर विकासखंड के नगरीय क्षेत्रों में पंजीकृत होमस्टे की जांच हेतु क्षेत्रवार समितियों का गठन किया गया। समितियों द्वारा निरीक्षण उपरांत 17 होमस्टे ऐसे पाए गए जो उत्तराखण्ड गृह आवास (होमस्टे) नियमावली के प्रावधानों के अनुरूप संचालित नहीं हो रहे थे। इन सभी के पंजीकरण निरस्त करने की संस्तुति की गई, जिसे स्वीकार करते हुए प्रशासन द्वारा कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान कई होमस्टे में रसोई की व्यवस्था नहीं पाई गई। अग्निशमन उपकरण अनुपलब्ध या उनकी वैधता समाप्त पाई गई। होमस्टे का उपयोग बारात घर एवं व्यावसायिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा था। कई स्थानों पर स्वामी का निवास नहीं पाया गया तथा इकाइयों को लीज/किराये पर संचालित किया जा रहा था। निर्धारित क्षमता से अधिक कमरों का संचालन किया जा रहा था। विदेशी नागरिकों के ठहराव की सूचना (सी-फॉर्म) उपलब्ध नहीं कराई गई। कुछ होमस्टे पंजीकृत होने के बावजूद संचालित नहीं पाए गए। निरीक्षण के दौरान निरंजनपुर स्थित एक होमस्टे में विदेशी नागरिकों के ठहराव की सूचना नियमानुसार उपलब्ध नहीं कराई गई तथा अग्निशमन उपकरण की वैधता समाप्त पाई गई। बल्लूपुर क्षेत्र में पंजीकरण से अधिक कमरों का संचालन किया जाना पाया गया। कुछ होमस्टे में स्वामी के स्थान पर अन्य व्यक्तियों द्वारा व्यावसायिक रूप से संचालन किया जा रहा था। मसूरी क्षेत्र में एक होमस्टे का स्वामित्व विक्रय किया जाना तथा अन्य का नवीनीकरण न कराया जाना पाया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि जनपद में संचालित सभी होमस्टे संचालक नियमावली का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें। भविष्य में भी इस प्रकार की जांच अभियान जारी रहेगा तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

स्कूटी दुर्घटनाग्रस्त होने पर सीओ ने महिला व बच्ची को पहुंचाया अस्पताल

संवाददाता

देहरादून। स्कूटी दुघर्टनाग्रस्त होने पर वहां से गुजर रहे सीओ सिटी स्वपनिल मुयाल ने एंबुलेंस व अन्य वाहनों की इंतजार किये बगैर अपने सरकारी वाहन से महिला व बच्ची को अस्पताल पहुंचाकर उपचार कराया और परिजनों को सूचना दी।

आज यहां एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल द्वारा सभी अधीनस्थों को आम नागरिकों की सुरक्षा एवं संकट के समय एक परिवार के सदस्य की तरह हर संभव मदद किये जाने के सभी अधीनस्थों को निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम आज क्षेत्राधिकारी नगर स्वपनिल मुयाल को बलबीर रोड़ पर एक महिला जो स्कूल की छुट्टी से अपनी बच्ची को लेकर आ रही थी, जो अचानक स्कूटी का बैलेन्स बिगड़ने से दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिन्हें बिना देरी किये हुये एंबुलेंस का इंतजार न करते हुये अपने सरकारी वाहन से घायल महिला व उसकी बच्ची को समय से परम अस्पताल पहुँचाया गया। क्षेत्राधिकारी नगर स्वपनिल मुयाल द्वारा महिला को अस्पताल में भर्ती कराकर महिला के परिजनों से सम्पर्क कर परिजनों को अस्पताल बुलवाया गया। घायल महिला को समय से उपचार मिलने पर महिला के परिजनों ने दून पुलिस का आभार प्रकट कर धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

दस दिन में चार लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे चारधाम

हमारे प्रतिनिधि

देहरादून। प्रदेश में चारधाम यात्रा सुचारु रूप से संचालित हो रही है। राज्य सरकार द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए व्यापक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, ताकि श्रद्धालु निश्चिंत होकर सुरक्षित एवं सुगम रूप से दर्शन कर सकें।

चारधाम यात्रा के दौरान यात्रियों, श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए चारधाम यात्रा मार्गों सहित प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर पेयजल, शौचालय, स्वास्थ्य सेवाएं, स्वच्छता, पार्किंग एवं यातायात व्यवस्थाओं को सुदृढ़ एवं व्यवस्थित किया गया है।

राज्य सरकार ने यात्रा व्यवस्थाओं के संबंध में भ्रामक जानकारी प्रसारित करने

वालों तथा गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं, ताकि यात्रा की पवित्रता एवं व्यवस्थाएं बनी रहें।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र, देहरादून से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार चारधाम कपाट खुलने से 28 अप्रैल, 2026 की सांय 7:00 बजे तक मात्र दस दिनों में कुल 04 लाख 08 हजार 401 श्रद्धालु चारधाम में दर्शन हेतु पहुंचे हैं।

धामवार विवरण इस प्रकार है:

श्री बद्रीनाथ धाम: कपाट उद्घाटन के छह दिनों में 84,942 श्रद्धालु पहुंचे।

श्री केदारनाथ धाम: सात दिनों में 2,07,452 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।

यमुनोत्री धाम: दस दिनों में 57,794 श्रद्धालु पहुंचे।

गंगोत्री धाम: दस दिनों में 57,863 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।

इसके अतिरिक्त गौमुख में अब तक 440 यात्री पहुंचे हैं।

वर्तमान यात्रा सीजन में अब तक कुल 64,115 वाहन यात्रियों को लेकर चारधाम पहुंचे हैं।

राज्य सरकार द्वारा सभी संबंधित विभागों के समन्वय से यात्रा को सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रेम सम्बन्धों में बाधक बने पिता की हत्या, दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। बहादराबाद क्षेत्र में हुई हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से हत्या में प्रयुक्त वाहन, मृतक का पर्स व मोबाइल फोन बरामद हुआ है। हत्या की यह वारदात प्रेम सम्बन्धों में बाधक बनने के चलते अंजाम दी गयी थी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह ने बताया कि बीती 27 अप्रैल को प्रियांशु पुत्र राजवीर सिंह ग्राम रानानगंला थाना स्योहारा जिला बिजनौर द्वारा कोतवाली बहादराबाद में शिकायत देकर बताया गया था कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसके पिता राजवीर सिंह की अज्ञात कारणों से सिर पर गहरी चोट पहुचाकर हत्या कर दी गयी है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर हत्यारों की तलाश शुरू कर दी गयी।

विवेचना में प्रकाश में आए एक संदिग्ध मोबाइल नंबर की पड़ताल करते हुए टीम ने कलियर रोड के पास लकी हॉस्पिटल के बाहर स्प्लेन्डर मोटरसाइकिल पर बैठे संदिग्ध को मौके पर पकड़ कर पूछताछ की गई तो संदिग्ध ने पूरी कहानी बयान कर दी। संदिग्ध ने बताया कि उसका मृतक की बेटी से प्रेम संबंध है वह उससे शादी करना चाहता था परन्तु मृतक राजबीर की डर से प्रेमिका ने उसके साथ शादी करने को तैयार न होने पर उसने राजबीर की हत्या की योजना बनाई। मृतक एवं आरोपियों की पहले से जान पहचान थी दोनों सिडकुल की अलग-अलग कंपनियों में काम करते थे, मृतक की लड़की

शादीशुदा थी आरोपी उसका उसके पति से तलाक करवा कर उससे खुद शादी करना चाहता था जो मृतक को मंजूर नहीं था। आरोपी ने बताया कि 26 अप्रैल की शाम को वह अपनी मोटरसाइकिल से अपने साथी छोटेलाल के साथ मिलकर राजवीर को बौंगला अण्डरपास के पापुलर के खेत में छोटेलाल के साथ मिलकर राजबीर के सिर में हथौड़ा मारकर हत्या की गई। आरोपी अपने साथी छोटेलाल के साथ लकी हॉस्पिटल बहादराबाद में दवाई लेने आया था। पुलिस ने मौके से पंकज को तथा उसकी निशानदेही पर नहर पटरी मार्ग पर इंतजार कर रहे छोटेलाल को हिरासत में लेकर उनके कब्जे से उनके मोबाइल, मृतक का मोबाइल (जिससे ठेके पर शराब की ऑनलाइन पेमेंट की गई), मोटर साइकिल आदि बरामद किए गए। पुलिस ने दोनों आरोपियों को नियमानुसार न्यायालय के समक्ष पेश किया जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।